चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15-8-23	2	3-5

कार्यक्रम • एचएयू में मशरुम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण संपन्न

बिहार, ओडिशा के बाद हरियाणा मशरुम उत्पादन में तीसरे नंबर पर : डॉ. गोदारा

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा के झज्जर, रोहतक, जींद, सिरसा, फतेहाबाद, हिसार व राजस्थान के अलवर जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया।

संस्थान के सह निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं।

उन्होंने कहा कि विश्व में 40 मिलियन टन के करीब मशरूम का उत्पादन होता है किन्तु हम यहां पर विश्व के कुल उत्पादन का 1 प्रतिशत भी उत्पादन नहीं कर रहे हैं। मशरूम उत्पादन में बिहार और ओडिशा के बाद हरियाणा तीसरे स्थान पर है जहां 21 हजार 500 मैट्रिक टन मशरूम पैदा हो रहा है, लेकिन बेरोजगार युवकों व युवतियों के लिए इस व्यवसाय में रोजगार के व्यापक अवसर हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	15.8.23	6	1-3

मशरूम उत्पादन तकनीक पर हुआ प्रशिक्षण

जागरण संवाददता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इसमें हरियाणा के झज्जर, रोहतक, जींद, सिरसा, फतेहाबाद, हिसार व राजस्थान के अलवर जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व में 40 मिलियन टन के करीब मशरूम का उत्पादन होता है किन्तु हम यहां पर विश्व के कुल उत्पादन का एक प्रतिशत भी उत्पादन नहीं कर रहे हैं। इसका मुख्य कारण जागरूकता के अभाव में बहुत कम लोग इसका सेवन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार के साथ-साथ औषधीय गुणों से भरपूर है जिस वजह से इसके नियमित सेवन से मनुष्य अपने आप को कई तरह के असाध्य रोगों से बचा सकता है।

मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विशेषज्ञ प्रतिभागियों के साथ

उन्होंने कहा मशरूम उत्पादन में बिहार और उड़ीसा के बाद हरियाणा तीसरे स्थान पर है जहां 21500 मैट्रिक टन मशरूम पैदा हो रहा है लेकिन बेरोजगार युवकों व युवतियों के लिए इस व्यवसाय में रोजगार के व्यापक अवसर हैं। प्रशिक्षण के संयोजक डा. सतीश कुमार मेहता ने बताया कि मशरूम की विभिन्न प्रजातियां उगाकर पूरा वर्ष इसका उत्पादन किया जा सकता है। देश तथा प्रदेश सरकार द्वारा भी किसानों तथा बेरोजगार युवाओं को मशरूम उत्पादन को एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण दौरान डा. संदीप भाकर, डा. विकास कंबोज, डा. डीके शर्मा, डा. राकेश चुघ, डा. अमोघ वर्षा, डा. सरदूल मान, डा. भूपेन्द्र सिंह, डा. पवित्रा पुनिया, डा. विकास हुड्डा ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	15.8.23	3	3

हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण संपन्न

हिसार, 14 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा के झज्जर, रोहतक, जींद, सिरसा, फ़तेहाबाद, हिसार व राजस्थान के अलवर जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियाँ इसे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं। इस दौरान डॉ. संदीप भाकर, डॉ. विकास कंबोज, डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. अमोघवर्षा, डॉ. सरदूल मान, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. पवित्रा पुनिया व डॉ. विकाश हुड्डा ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	14.08.2023	--	--

हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न, हरियाणा सहित राजस्थान से भी किसानों ने लिया भाग

हिसारा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा के झज्जर, रोहतक, जींद, सिरसा, फतेहाबाद, हिसार व राजस्थान के अलवर जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियाँ इसे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते है। उन्होंने कहा कि विश्व में 40 मिलियन टन के करीब मशरूम का उत्पादन होता है किन्तु हम यहाँ पर विश्व के कुल उत्पादन का 1 प्रतिशत भी उत्पादन नहीं कर रहे हैं जिसका मुख्य कारण जागरूकता के अभाव में बहुत कम लोग इसका सेवन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार के साथ-साथ औषधीय गुणों से भरपूर है जिस वजह से इसके नियमित सेवन से मनुष्य अपने आप को कई तरह के असाध्य रोगों से बचा सकता है। उन्होंने कहा मशरूम उत्पादन में बिहार और उड़ीसा के बाद हरियाणा तीसरे स्थान पर है जहां 21500 मैट्रिक टन मशरूम पैदा हो रहा है लेकिन बेरोजगार युवकों व युवतियों के लिए इस व्यवसाय में रोजगार के व्यापक अवसर हैं।प्रशिक्षण के संयोजक डॉ सतीश कुमार मेहता ने बताया कि मशरूम की विभिन्न प्रजातियाँ उगाकर पूरा वर्ष इसका उत्पादन किया जा सकता है। देश तथा प्रदेश सरकार द्वारा भी किसानों तथा बेरोजगार युवाओं को मशरूम उत्पादन को एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण दौरान डॉ. संदीप भाकर, डॉ. विकास कंबोज, डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. अमोघवर्षा, डॉ. सरदूल मान, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. पवित्रा पुनिया व डॉ. विकास हुड्डा ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	14.08.2023	--	--

'विश्व में मशरूम का उत्पादन 40 मिलियन टन के करीब'

नभ-छोर न्यूज ▶▶ 14 अगस्त

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा के झज्जर, रोहतक, जींद, सिरसा, फतेहाबाद, हिसार व राजस्थान के अलवर जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व में 40 मिलियन टन के करीब मशरूम का उत्पादन होता है किन्तु हम यहां पर विश्व के कुल उत्पादन का 1 प्रतिशत भी उत्पादन नहीं कर रहे हैं जिसका मुख्य कारण जागरूकता के अभाव में बहुत कम लोग इसका सेवन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार के साथ-साथ औषधीय गुणों से भरपूर है जिस वजह से इसके नियमित सेवन से मनुष्य अपने आप को कई तरह के असाध्य रोगों से बचा सकता है। उन्होंने कहा मशरूम उत्पादन में बिहार और उड़ीसा के बाद हरियाणा तीसरे स्थान पर है जहां 21500 मैट्रिक टन मशरूम पैदा हो रहा है लेकिन बेरोजगार युवकों व युवतियों के लिए इस व्यवसाय में रोजगार के व्यापक अवसर हैं। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता ने बताया कि मशरूम की विभिन्न प्रजातियां उगाकर पूरा वर्ष इसका उत्पादन किया जा सकता है। देश तथा प्रदेश सरकार द्वारा भी किसानों तथा बेरोजगार युवाओं को मशरूम उत्पादन को एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण दौरान डॉ. संदीप भाकर, डॉ. विकास कंबोज, डॉ. डीके शर्मा, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. अमोघवर्षा, डॉ. सरदूल मान, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. पवित्रा पुनिया व डॉ. विकाश हुड्डा ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।